पाठ 8

देख तमाशा

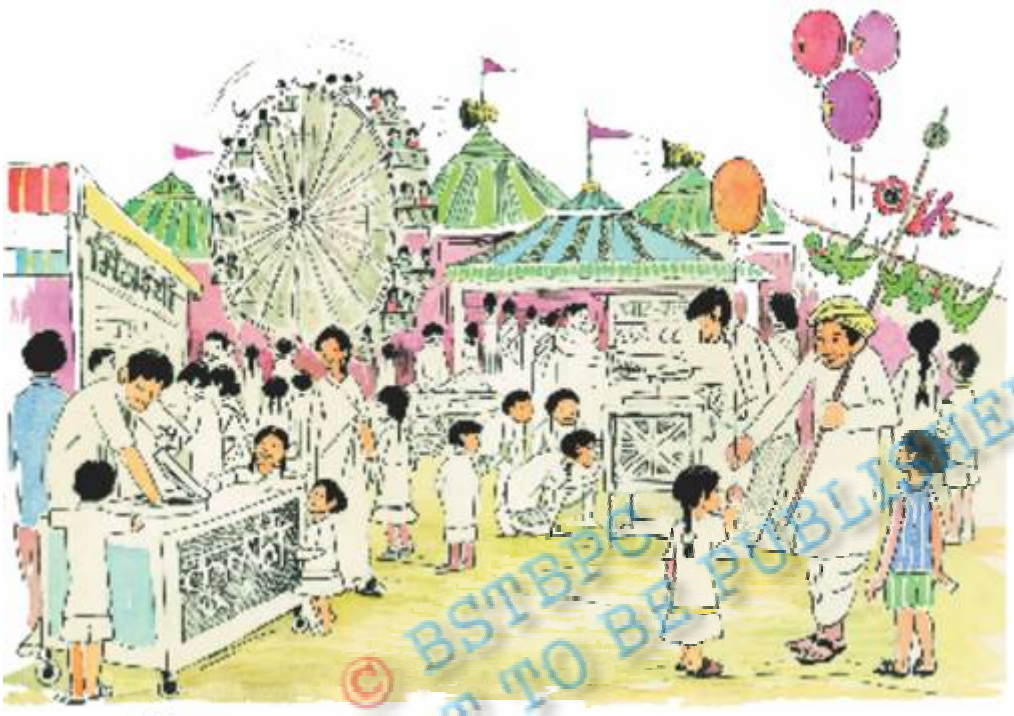

चलो—चलो जी हम सब मिलकर
देखने जाएँ मेल
भीड़ बहुत है जहाँ भी देखो
है लोगों का रेला।
तरह—तरह के खेल-तमाशे
पकवानों के ढेर लगे
लार टपकने लगती है जी
भरे पेट भी भूख जगे।
झूला झूलो दस रुपए में
पाँच रुपए में गुब्बारे
पैसे देकर करतब देखो
जोकर लगते प्यारे।

WEB COPY, NOT TO BE PUBLISHED © BSTBPC

1. क्या आप कभी मेले में गये हैं? वहाँ आपने क्या–क्या किया?

_____

_____

2. आपको सबसे अच्छा मेला कौन सा लगता है? और क्यों?

_____

_____

आज बच्चों के बीच काफी चहल–पहल है। मध्याह्न भोजन के बाद विद्यालय में एक फिल्म 'तारे जमीं पर' दिखाई गई। सभी बच्चों ने फिल्म का आनंद उठाया। आपने भी फिल्में देखी होंगी।

3. आपको किस तरह की फिल्में अच्छी लगती हैं? अपनी कुछ मनपसंद फिल्मों के नाम लिखिए।

_____

_____

_____

_____

_____

© BSTBPC WEBCOPY NOT TO BE PUBLISHED

हम कई तरह से अपना मन बहलाते हैं। कभी मेला देखने जाते हैं तो कभी फिल्म देखते हैं। इसी तरह कुछ लोग पतंग उड़ाकर भी अपना मन बहलाते हैं।

4. आप अपनी पसंद की पतंग का चित्र बनाइए। उसमें रंग भी भरिए।

5. पतंग उड़ाने के लिए किन–किन चीजों की जरूरत होती है?

_____

_____

6. पतंग पूरे भारत में विभिन्न अवसरों पर उड़ाई जाती है। आप कब–कब पतंग उड़ाते हैं?

_____

_____

7. भारत के अलग–अलग राज्यों में किन–किन अवसरों पर पतंग उड़ाई जाती है? पता लगाइए।

क्र.सं.	राज्यों के नाम	अवसर
1.	राजस्थान	मकर–संक्रान्ति
2.	बिहार	
3.	दिल्ली	

8. हम कई तरह से अपना मनोरंजन करते हैं। कभी हम दोस्तों के साथ खेल खेलते हैं तो कभी बड़ों के साथ कहीं बाहर जाते हैं। आप अपने मनोरंजन के लिए क्या–क्या करते हैं?

दोस्तों के साथ _____

_____

बड़ों के साथ _____

_____

9. खेल–तमाशे और मनोरंजन के विभिन्न साधनों से हमें क्या फायदे होते हैं?

_____

_____

परियोजना कार्य

रंगीन कागज़ और कमाची की सहायता से आप भी अपनी पतंग बनाकर उड़ाइए।

© BSTBPC WEBCOPY, NOT TO BE PUBLISHED